Roll No. ..... Total Printed Pages - 4

F-3121

B.A. (PART-I) Examination, 2022

(New Course)

(SANSKRIT LITERATURE)

Paper First

(नाटक, व्याकरण और अनुवाद)

Time : Three Hours] *[Maximum Marks : 75*

नोट - सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

इकाई - 1

प्र. **1.** किन्ही दो पद्यों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। **15**

(i) विस्त्रब्ध हरिणाश्चरन्त्य चकिता देशागत प्रत्यया
वृक्षाः पुष्पफलैः समृद्धविटपाः सर्वे दयारक्षिताः।
भूयिष्ठं कपिलानि गोकुलधनान्यक्षेत्रवत्यो दिशो
निःसन्दिग्धमिदं तपोवनमयं धूमो हि बह्वाश्रयः।।

(ii) उपेत्य नागेन्द्रतुरंगतीर्णे तमारुणिं दारुणकर्मदक्षम्।
विकीर्णबाणोग्रतरंगभंगे महार्णवाभे युधि नाशयामि।।

(iii) किं वक्ष्यतीति हृदयं परिशंकितं में
कन्या मयाप्यपहृता न च रक्षिता सा।
भाग्यैश्चलैर्महद वाप्त गुणोपघातः,
पुत्रः पितुर्जनितरोष इवास्मि भीतः।।

(iv) मधुमदकला मधुकरा मदनार्ताभिः प्रियाभिरुपगूढाः।
पादन्यास विपण्णा वयमिव कान्तावियुक्ताः स्युः।।

इकाई - 2

प्र. **2.** संस्कृत साहित्य में महाकवि भास का स्थान निर्धारित कीजिए। **15**

अथवा

स्वपन्वासवदत्तम् नाटक के आधार पर उदयन तथा वासवदत्ता का चरित्र चित्रण कीजिए।

इकाई -3

प्र. **3.** **अधोलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए-**

अस्ति दाक्षिणात्ये जनपदे पाटलिपुत्रं नाम नगरम्। तत्र मणिभद्रो नाम श्रेष्ठी प्रतिवसति स्म। तस्य च धर्मार्थकाममोक्षकर्माणि कुर्वतो विधिवशाद्धनक्षयः सञ्जातः। ततो विभवक्षयादपमानपरम्परया परं विषादं गतः। अथान्यदा रात्रौ सुप्ताश्चिन्तितवान् -अहो धिगियं दरिद्रता।

एवं सम्प्रधार्य भूयोऽप्यचिन्तयत् - तदहमनशनं कृत्वा प्राणानुत्सृजामि। किमनेन नो व्यर्थजीवितव्यसनेन? एवं निश्चयं कृत्वा सुप्तः। अथ तस्य स्वप्ने पद्मनिधिः क्षपणकरुपो दर्शनं दत्त्वा प्रोवाच - भोः श्रेष्ठिन! मा त्वं वैराग्यं गच्छ। अहं पद्मनिधिस्तव पूर्वपुरुषोपर्जितः। तदनेनैव रूपेण प्रातस्त्वद्गृहमागमिष्यामि। तत्त्वयाऽहं लगुऽप्रहारेण शिरसि ताऽनीयः, येन कनकमयो भूत्वाऽक्षयो भवामि।

(i) पाटलिपुत्रं नाम नगरं कुत्र अस्ति? **3**

(ii) मणिभद्रस्य धनक्षयः कथं सञ्जातः? **3**

(iii) मणिभद्रः कथं प्राणानुत्सृजनस्य निर्णयं करोति? **3**

(iv) मणिभद्रस्य स्वप्ने कः आगच्छति? **3**

(v) क्षपणकः मणिभद्रं प्रति किं वदति? **3**

इकाई - 4

प्र.4 (क) किन्हीं <u>तीन</u> सूत्रों की व्याख्या कीजिए- **9**

(i) आदिरन्त्येन सहेता।

(ii) हलोऽनन्तराः संयोगः।

(iii) एचोऽयवायावः।

(iv) झलां जशोऽन्ते।

(v) साधकतमं करणम्।

(ख) सन्धिविग्रह कर सन्धि का नाम लिखिए (<u>कोई तीन</u>)- **6**

(i) विद्यालयः

(ii) इतीयम्

(iii) सूर्योदयः

(iv) देवर्षिः

(v) कृष्णैकत्वम्

(vi) दुश्चरित्रः

इकाई - 5

प्र.5 संस्कृत में अनुवाद कीजिए (<u>कोई पाँच</u>) **15**

(i) वे दोनों पढ़ रहे हैं।

(ii) तू भोजन पकाता है।

(iii) मैं लता को देखता हूँ।

(iv) गाँव के पास पठशाला है।

(v) तू ईश्वर को स्मरण करेगा।

(vi) राजा कवि के साथ घूमा।

(vii) पशु पैर से लँगड़ा है।

(viii) राजा ब्राह्मण को धन देता है।

(ix) बालक को लड्डू अच्छा लगता है।

(x) उस गुरु से वह शिष्य पढ़ता है।